

वित्तीय स्वीकृति/आयोजनागत

संख्या:- १० /XVII(1)-3/2010-09(15)/2009

प्रेषक,

राधा राहडी

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वासि,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

समाज (सैनिक) कल्याण अनुभाग-३ देहरादून दिनांक ०५ जल्दी, 2010

दिक्ष्य: चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक ने सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-१५ के आयोजनागत पक्ष के अवधानकद्वारा नदों में प्राविधानित घनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

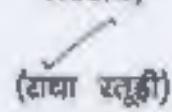
उपर्युक्त विषयक, आपके पश्चात् संख्या-2002/सौको/२/आय.ब. बाग/एनाम/०९-१० दिनांक 20 अगस्त, 2009 के क्रम में मुझे यह कहले का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक ने सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-१५ में आयोजनागत पक्ष के अवधानकद्वारा नद में प्राविधानित घनराशि (लेआनुदान ०१ अप्रैल, 2009 से ३१ जुलाई, 2009 तक की पूर्व में दर्शीकृत घनराशि को घटाते हुये) संलग्नक के अनुसार रूपये ४०,५०,०००/- (रुपये बालीस लाख पक्ष सहज नाम) को चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में विभिन्निक्त शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।-

- वित अनुभाग-१ के शासनादेश संख्या: ५१५/XVII(1)/2009 दिनांक २३ जुलाई, 2009 में उल्लिखित रामरत शर्तों एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- आवधानकद्वारा नदों में प्राविधानित घनराशि, जिसमें सामग्रीयों का इय किया जाना प्रस्तावित हो, में सामग्री इय करते समय लियमानुसार अधिप्राप्ति लियमान्ती, 2008, वित्तीय हस्तपुरितका में उल्लिखित सुसंगत प्राविधानों एवं समय-समय पर वित विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्भत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। पर्यावरण, मरीज, उपकरण आदि का इय पूर्व अनुपलब्धता के आधार पर प्राविधिकता निर्धारित करते हुये यथाआवश्यकता ही किया जाय।

3. आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशियों तथा अवचनबद्ध मद में प्राविधानित अन्य धनराशियों हेतु नियमानुसार पृथक ऐ प्रस्ताव निर्देशालय द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।
4. अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व सकाम स्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।
5. अनुदान के अंतर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फैजिंग (त्रिमास के आधार पर) अनियार्थी रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफलों निष्ठानित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
6. आय-व्ययक द्वारा व्यावस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत छात्र, योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नए कार्यों के कार्यालयाद्यन के लिए नहीं किया जाए।
7. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका के अंतर्गत शासन या अन्य सकाम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
8. यह व्यक्तिगत रूप में सुनिश्चित कर लिया जाए कि आयश्वकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक विल में याहे वह वेतन आदि के संबंध में ही अद्या आकस्मिक व्यय के संबंध में, सम्पूर्ण मुख्य/लम्बु/उप तथा विस्तृत शीर्षक की अंकित किया जाए और प्रत्येक विल में दाइनी और ताल रखाई ऐ अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिया जाए, अवश्य महालेखाकार, एवं व्यक्तिगत ने सही कुरिंग में आधा होड़ी।
9. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिवर्तन अधिकारीयों को ताकाल अवगुण दी जाए। आवंटन एवं व्यय की लिखति से यथासमय शासन की अवगत कराया जाए।
10. वित्तव्याधता के संबंध में विद्यमानों का कहाँ से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
11. यदि किसी अधिकारी/योजनाओं के अंतर्गत अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्त पुस्तिका के प्राविधानों के अंतर्गत समय-संतोषी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
13. उपर्युक्त निर्देशों का कहाँ से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
14. समस्त वालू, लिर्माण यादी, ज्ञान लिर्माण कार्य, उपकरण व उत्तंत्र व फ्रेजर, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/सफेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध कराएं।

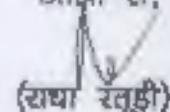
15. बी0एम0-13 पर संकलित आसिक दूषनाएँ लियमित रूप से शासव को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
16. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आव-व्यायक के अनुदान संख्या-15 के अंतर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाधीर्घकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे हालता जाएगा।
17. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पञ्च संख्या:-521(P)/XVIII-3/2010, दिनांक 06 जनवरी, 2009 द्वारा प्राप्त उम्यी सहमति के प्रम ने जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक: चलोपरि।

भरपूर,

 (राधा रत्नाली)
 सचिव।

पुस्तक संख्या:- 10-(P)/XVIII(1)-3/2009-09/15, 2009 राज्यपालित।
 प्रतिलिपि - नियमितिहार को सूचनार्थ एवं उत्तराधिकार कार्यवाही हेतु देखित-

1. निली राजिव-नद० सुक्ष्मसी, उत्तराधिकार कार्यवाही हेतु देखित;
2. निली सरित-नुहर राजिव, उत्तराधिकार कार्यवाही हेतु देखित;
3. नहारीकालार, उत्तराधिकार, देहरादून।
4. अपृत्तायुक्त, गढ़वाल, उत्तराधिकार;
5. निलाधिकारी, देहरादून, उत्तराधिकार;
6. निरेशक, कोवडगढ़ एवं निम सेक्टर, उत्तराधिकार, देहरादून।
7. वीटेक कोवडगढ़ी/कोवडगढ़ी, देहरादून, उत्तराधिकार;
8. शनभरा निली लैलित गरुदाण अधिकारी, उत्तराधिकार।
9. निल (आम नियंत्रण) जहुभावा-0-१, उत्तराधिकार कार्यवाही।
10. बजट, राज्यपालीय नियोजन एवं संसदालय नियोजालय, उत्तराधिकार संविधानसभा परिषद, देहरादून।
11. गांधीर सूरजना नियाम धोका, उत्तराधिकार संविधानसभा परिषद, देहरादून।
12. आवेदन परिषद।

आवा दे,

 (राधा रत्नाली)
 सचिव।